भारत में पहली बार अपोलो अस्पताल में 75 साल की मरीज के दिल पर लगा लीडलेस पेसमेकर

नई दिल्ली। दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल ने एक बार फिर चिकित्सा क्षेत्र में नई सफलता हासिल की है। भारत में पहली बार एक मरीज में लीडलेस पेसमेकर का प्रत्यारोपण हुआ है जो न सिर्फ मरीज के संक्रमण का जोखिम कम करता है बल्कि इसे आसानी से हटाया भी जा सकता है। नई दिल्ली स्थित इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के क्लिनिकल लीड और कार्डियक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी में एक प्रतिष्ठित अग्रणी डॉ. वनिता अरोड़ा ने यह सफलता हासिल की है। इनका कहना है कि यह भारत में हृदय देखभाल चिकित्सा के क्षेत्र में एक नए युग की शुरूआत है। डॉक्टरों का कहना है कि इस पहले सफल प्रत्यारोपण के साथ भारतीय कार्डियोलॉजी में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह सफलता पेसमेकर प्रौद्योगिकी में एक

छलांग का प्रतिनिधित्व कर रही है और हृदय ताल प्रबंधन की आवश्यकता वाले मरीजों खासतौर पर जिन्हें संक्रमण का जोखिम बहुत ज्यादा हो सकता है, उनमें एक नई आशा भी लेकर आई है। डॉ. वनिता अरोड़ा ने बताया कि इनोवेटिव लीडलेस पेसमेकर को एक ट्रांसवेनस यानी कैथेटर-आधारित प्रक्रिया के माध्यम से प्रत्यारोपित किया गया। इसका फायदा यह हुआ कि पारंपरिक सर्जिकल चीरा की आवश्यकता खत्म हो गई और उसकी वजह से होने वाला उच्च जोखिम और संक्रमण का खतरा भी कम हो गया। जानकारी के अनुसार, एबॉट कंपनी ने कुछ ही समय पहले एक लीडलेस पेसमेकर लॉन्च किया जो धीमी हृदय गति के उपचार में प्रत्यारोपित होता है।इसे एवियर वीआर के नाम से जानते हैं जिसमें प्रत्यारोपित होने से पहले स्थिति का आकलन करने की मैपिंग क्षमता है। अन्य की तुलना में इसकी बैटरी लाइफ भी अधिक है। डॉ. वनिता अरोड़ा ने बताया कि एक 75 वर्षीय महिला मरीज में इसका प्रत्यारोपण किया गया जो थकान, ऊर्जा की हानि और प्रीसिंकोप से परेशान थीं। चिकित्सा जांच के बाद मरीज में सिक साइनस सिंड्रोम का पता चला। यह एक ऐसी चिकित्सा स्थिति है जहां हृदय का प्राकृतिक पेसमेकर उम्र के साथ खराब हो जाता है। मधुमेह, उच्च रक्तचाप के अलावा बार-बार मूत्र पथ के संक्रमण के चलते मरीज को पारंपरिक पेसमेकर सर्जरी से संबंधित जटिलताओं का उच्च जोखिम भी था। ऐसे में डॉक्टर ने एवियर वीआर लीडलेस पेसमेकर के साथ एक न्यूनतम इनवेसिव और ट्रांसवेनस प्रक्रिया के जरिए सफलता हासिल की।

भारतीय रेल

भारत सरकार

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

रेल भवन, नई दिल्ली – 110001